NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th
Subject : हिंदी
Chapter : 6
Chapter Name : प्रेमचंद के फटे जूते

Q1 हरिशंकर परसाई ने प्रेमचंद का जो शब्दचित्र हमारे सामने प्रस्तुत किया है उससे प्रेमचंद के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं?

Answer. हरिशंकर परसाई ने प्रेमचंद्र के व्यक्तित्व का चित्रण बेहद आकर्षक रूप में किया है। उनके व्यक्तित्व की कुछ विशेषताएँ सामने आती हैं उदाहरणार्थ; प्रेमचंद को किसी भी प्रकार का दिखावा पसंद नहीं था। यहाँ तक कि उन्होंने फ़ोटो खिंचाते समय भी दिखावे को कोई महत्व नहीं दिया और वे जैसे थे उसी प्रकार अपनी फ़ोटो खिंचवाई।प्रेमचंद एक महान लेखक होने के बावजूद धन संपदा से परिपूर्ण नहीं थे।
उनका जीवन सादगी से भरपूर था।वह एक साहसी व्यक्ति थे और वे परिस्थितियों का मुक़ाबला करना जानते थे। वे कभी भी अपनी सच्चाई को छिपाना नहीं चाहते थे और वे जैसे थे वैसे ही सबको नज़र आते थे।प्रेमचंद किसी भी जगह या परिस्थिति में समझौते को महत्व नहीं देते थे। वह जीवन की यथार्थता को जानते थे और उसी के अनुसार अपना जीवन व्यतीत करते थे।

Page : 65 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2. सही कथन के सामने सही का निशान लगाइए:
(क) बाएँ पाँव का जूता ठीक है मगर दाहिने जूते में बड़ा छेद हो गया है जिसमें से अँगुली बाहर निकल आई है।✖
(ख) लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं जिससे फोटो में खुशबू आ जाए।✔
(ग) तुम्हारी यह व्यंग्य मुसकान मेरे हौसले बढ़ाती है।✖
(घ) जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ अँगूठे से इशारा करते हो?✖

Answer. लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं जिससे फोटो में खुशबू आ जाए।

Page : 65 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3 नीचे दी गई पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए:

(क) जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं।

(ख) तुम पर्दे का महत्व ही नहीं जानते, हम पर्दे पर कुर्बान हो रहे हैं।

(ग) जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ हाथ की नहीं, पाँव की अँगुली से इशारा करते हो?

aglasem.com

(क) एक कहावत कही जाती है कि व्यक्ति की औक़ात और व्यक्तित्व की पहचान उसके जूतों से होती है। ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि हर व्यक्ति अपने सर पर या शरीर के किसी भी हिस्से पर नज़र आने वाली चीज़ों का ख़ूब ध्यान रखता है परंतु वह जूते को इतनी अहमियत नहीं देता है। व्यक्ति के जूते उसके असली व्यक्तित्व की पहचान कराते हैं कि व्यक्ति असल में किस प्रकृति का स्वामी है। इस प्रकार जूते का अपना एक अलग महत्व है।इस व्यंग्य में इस बात का स्पष्टीकरण है कि अब लोग जूते की अहमियत से परिचित हो गए हैं।अब वे जूतों को और चीज़ों की तरह महत्व देते हैं। यही कारण है कि जूते की क़ीमत बढ़ती जा रही है।

(ख) हरिशंकर परसाई प्रेमचंद की फ़ोटो देख रहे हैं जिसमें उन्होंने फटे जूते पहन रखे हैं। प्रेमचंद का अंगूठा बाहर की तरफ़ निकला हुआ है लेकिन फिर भी उनके चेहरे पर संतुष्टि है।लोग फ़ोटो खिंचाते समय ख़ुद को बना संवार कर कैमरे के सामने प्रस्तुत करते हैं। वे जितना दिखावा हो सके उतना दिखावा कर डालते हैं लेकिन प्रेमचंद ने फ़ोटो खिंचवाते समय किसी दिखावे को कोई महत्व नहीं दिया।उनका जूता फटा हुआ था उन्होंने उसी जूते में फ़ोटो खिंचवाया। उन्होंने उस फटे हुए जूते को छिपाने की कोई कोशिश नहीं की।

(ग) यह वाक्य प्रेमचंद के व्यक्तित्व की व्याख्या करता है। प्रेमचंद ने फटा जूता पहना था जिससे उनके पैर का अंगूठा बाहर की तरफ़ झाँक रहा था।हरिशंकर परसाई प्रेमचंद की विशेषता बताते हुए कहते हैं कि वास्तव में उनके पैर का अंगूठा उन लोगों की तरफ़ इशारा करता है जिससे वे घृणा करते हैं। वे जिस व्यक्ति को पसंद नहीं करते हैं उसकी तरफ़ हाथ की उंगली से इशारा नहीं करते बल्कि पाँव की उंगली से इशारा करते हैं।

Page : 65 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4 पाठ में एक जगह पर लेखक सोचता है कि 'फोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है तो पहनने की कैसी होगी?' लेकिन अगले ही पल वह विचार बदलता है कि 'नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी।' आपके अनुसार इस संदर्भ में प्रेमचंद के बारे में लेखक को विचार बदलने की क्या वजहें हो सकती हैं?

Answer. प्रेमचंद ने एक फ़ोटो खिंचवाया था जिसमें उन्होंने फटा जूता पहना था।उन्होंने फ़ोटो खिंचवाने के लिए कोई विशेष प्रकार की तैयारी नहीं की थी और न ही अपनी पोशाक को आकर्षित बनाया था। जब हरिशंकर परसाई ने वह फ़ोटो देखी तो वह सोच में पड़ गए कि जब फ़ोटो में इस व्यक्ति की पोशाक और जूते ऐसे हैं तो वास्तव में इस आदमी की पोशाकें और कैसी कैसी होगी। उसके अगले ही पल परसाई जी का मत उनके लिए बदल गया क्योंकि प्रेमचंद को अगर दिखावा करना ही होता तो वे फ़ोटो में बन ठनकर आते। जैसे लोग फ़ोटो में ख़ूब बन संवर कर आते हैं और असली ज़िंदगी में वे दूसरी प्रकार की पोशाकें पहनते हैं लेकिन प्रेमचंद ने ठीक वैसे ही फ़ोटो खिंचवाया जैसे वे वास्तव में थे। यही कारण था कि लेखक का विचार प्रेमचंद के लिए बदल गया था।

Page : 65 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

aglasem.com

Q5 आपने यह व्यंग्य पढ़ा। इसे पढ़कर आपको लेखक की कौन सी बातें आकर्षित करती हैं?

Answer. हरिशंकर परसाई की एक महान व्यंग्यकार थे। उनके व्यंग्य करने की कला कुछ ऐसी थी कि अगला व्यक्ति एक बार को सोच में पड़ जाता था कि उन्होंने कितनी सटीक बात कही है। हरिशंकर परसाई जीवन की वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए अपने लेख में व्यंग शैली का प्रयोग करते थे। वह व्यंग के द्वारा अपनी बात को इस ढंग से रखते थे कि वह हर कसौटी पर सही बैठती थी।

Page : 65 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q6 पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग किन संदर्भों को इंगित करने के लिए किया गया होगा?

Answer. पाठ में टीले शब्द का प्रयोग करके समाज की पुरानी प्रथाओं और रूढ़िवादी बुराइयों को संबोधित किया गया है। टीला जब भी किसी के रास्ते में आ जाता है तो उस व्यक्ति का मार्ग बाधित हो जाता है। ठीक इसी प्रकार जब कोई मनुष्य समाज की बुराइयों और रूढ़िवादी परम्पराओं तथा अन्धविश्वासों में फँस जाता है तो उसका मानसिक विकास बाधित हो जाता है।

Page : 65 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7 प्रेमचंद के फटे जूतों को आधार बनाकर परसाई जी ने यह व्यंग लिखा है। आप भी किसी व्यक्ति की पोशाक को आधार बनाकर एक व्यंग्य लिखिए।

Answer. व्यक्तित्व से मिलती जुलती पोशाक और हमारे बड़े फूफा जी का दूर दूर तक कोई नाता नहीं है।कहने को तो वह शहर के नामी गिरामी डॉक्टर हैं लेकिन उनके अंदर अमीरों जैसी कोई बात ही नहीं है। चाहे मीटिंग हो या उनका अपना हॉस्पिटल, वे साधारण कपड़ों में ही सारी जगहों पर जाते हैं।उन्हें इस बात से बिलकुल फ़र्क नहीं पड़ता की चार लोग आएंगे और उनका मज़ाक उड़ाएंगे।जिस तरह वे अमीरों से बात करते हैं ठीक उसी तरह वे अपने से नीचे अर्थात ग़रीब लोगों से मिलते जुलते हैं। कुछ लोगों को लगता है कि उन्हें जीवन जीने का सलीक़ा नहीं है लेकिन वास्तव में असली जीवन तो उन्हीं जी रहे हैं।उन्होंने यह सिद्ध किया है कि एक आदर्श व्यक्ति का जीवन कैसा होना चाहिए।वह भले ही पोशाक से डॉक्टर ना लगते हों लेकिन वह एक आदर्श मानव की कसौटी पर खरे उतरते हैं।

Page : 65 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q8 आपकी दृष्टि में वेशभूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है?

Answer. वेशभूषा के प्रति लोगों की सोच में आज बहुत ज़्यादा परिवर्तन आया है।आज लोग वेशभूषा के आधार पर ही एक दूसरे की पहचान करते हैं।अगर कोई डॉक्टर है तो उसका पहनावा अलग होता है और अगर कोई चपरासी है तो वह भी चपरासी वाले कपड़े पहनता है।कहने का मतलब ये है कि आज वेशभूषा के आधार पर लोगों की पहचान तय होती है।

Page : 65 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q9 पाठ में आए मुहावरे छाँटिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

Answer.

बाज़ू से निकलना- परिस्थितियों से बचकर निकलना
वाक्य प्रयोग- राजू परीक्षा की घड़ी आने पर हम सबके बाज़ू से निकल जाता है।

व्यंग-मुस्कान- मज़ाक उड़ाना
वाक्य प्रयोग- श्याम ने मेरी तरफ़ व्यंग मुस्कान उछाली और चला गया।

रास्ते पर खड़े होना- बाधा डालना
वाक्य प्रयोग- अतीत की बातों को अपनी सफलता के रास्ते में खड़े होने देना बेवक़ूफ़ी है।

Page : 66 , Block Name : भाषा-अध्ययन

Q10 प्रेमचंद के व्यक्तित्व को उभारने के लिए लेखक ने जिन विशेषणों का उपयोग किया है उनकी सूची बनाइए।

Answer. प्रेमचंद के व्यक्तित्व को उभारने के लिए फटे जूते, टीलों और फ़ोटो इत्यादी वस्तुओं का उपयोग किया है।फटे जूते यह बताते हैं कि प्रेमचंद एक सादा दिल इंसान थे जो किसी भी प्रकार का दिखावा करना पसंद नहीं करते थे। टीले समाज की कुरीतियों की व्याख्या करते हैं और यह भी कि प्रेमचंद ने अपने रास्ते में आए टीलों को जूतों से टक्कर मारकर हटाया। इसी कारण उनके जूते फट गए।प्रेमचंद ने यह नहीं सोचा कि फ़ोटो को जब लोग देखेंगे तो वे सोचेंगे कि यह व्यक्ति कितना ग़रीब है।फ़ोटो समाज को इंगित करता है।

Page : 66 , Block Name : भाषा-अध्ययन

aglasem.com